डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 75 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

मनासा, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के कुण्डला गांव निवासी एक युवक पिछली 10 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसका शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान बुधवार रात को उसकी मौत हो गई। वहीं गुरुवार को नीमच के बड़े अस्पताल में मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम किया।

मृतक अर्जुन पिता गंगाराम उम्र 24 वर्ष जाति डांगी निवासी महादेव चौक कुंडला 10 दिसंबर को कहीं जा रहा था। तब गांव खानखेड़ी के रास्ते पर एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहले युवक को मनासा के सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल नीमच रेफर कर दिया। मगर युवक की गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उसे निजी अस्पताल मे ले गए। जहां 15 दिन उपचार चलने के बाद युवक ने दम तोड़ दिया। गुरुवार दोपहर को युवक का शव का बड़े अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जांच करना ही भूल जाते जिम्मेदार..!

बिना जांच पड़ताल दी जाती नामांतरण प्रकरणों को स्वीकृति

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अवैध और नियम विरुद्ध निर्माण रोकने के लिए नपा के नियम को जिम्मेदार नजरअंदाज कर रहे हैं। नपा को ऐसे आवेदन पर भौतिक सत्यापन के बाद कार्य पूर्णता प्रमाणीकरण करना चाहिए। पांच साल से नपा ने निर्माण अनुमति के साथ नामांतरण के कई प्रकरणों को स्वीकृति तो दी। लेकिन, जिम्मेदार जांच करना भूल गए। ऐसे प्रकरण में नपा के खजाने में छाबनीन, निर्माण अनुमति, नामांतरण के नाम पर 1 करोड़ रुपए से ज्यादा सालाना पहुंचता है। राजस्व विभाग, निर्माण शाखा और इंजीनियर तीन विभागों के बीच प्रक्रिया उलझी होने से अवैध निर्माण रोकने पर कोई ध्यान नहीं देता है।

शहर में अवैध निर्माण का मुद्दा लगातार सामने आ रहा है। नगर पालिका नियमों के मुताबिक निर्माण अनुमति, नामांतरण को लेकर पूरी प्रक्रिया का पालन करती है। इसमें राजस्व विभाग, निर्माण शाखा और इंजीनियर की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। राजस्व निरीक्षक, निर्माण विभाग सुपरवाइजर और इंजीनियर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे आवेदन, स्वीकृत नक्शे के साथ मैदानी रिपोर्ट भी लगाएं। नपा आवेदन प्रक्रिया को निपटा तो देती है। लेकिन, मैदानी रिपोर्ट को लेकर गंभीरता नहीं दिखाती। जिम्मेदार खुद मानते हैं कि जो नक्शे नपा में दिए उसमें सुविधा और जरूरत के मुताबिक कई लोगों ने बदलाव किया है। इसके बाद भी कार्रवाई के नाम पर नपा ठोस कदम नहीं उठा पा रही है।

यह है एक उदाहरण...

बड़ा अस्पताल रोड पर बना पांडव मार्केट बगैर अनुमति निर्माण का सबसे बड़ा उदाहरण है। वर्ष 2008 में इस भवन में बगैर अनुमति दूसरी मंजिल पर 18 और तीसरी मंजिल पर 26 दुकान बन गई लेकिन नपा के जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। शिकायत पर कार्रवाई की और वर्ष 2012 में 56 लाख का जुर्माना आरोपित किया।

कई स्तर पर जांच के बाद तैयार होते हैं प्रकरण...

नामांतरण और निर्माण अनुमति के प्रकरण आवेदन के बाद कई स्तर की जांच के बाद ही तैयार होते हैं। इसके बाद ही नपा निर्णय लेती है। नक्शों के मुताबिक निर्माण हुआ या नहीं इसे लेकर इंजीनियर और संबंधित विभाग की रिपोर्ट को देखा जाता है। भौतिक सत्यापन के बाद पूर्णता प्रमाणीकरण जारी नहीं करना गंभीर चूक है। इससे अवैध निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसका रिकॉर्ड तैयार करवाकर जल्द ही जांच कराई जाना चाहिए।

यह है नियम...

नगर पालिका द्वारा आवेदन के बाद निर्माण अनुमति दी जाती है तो संबंधित इंजीनियर की जिम्मेदारी होती है कि वे नजर रखे। आवेदन के बाद एक साल के अंदर ही निर्माण को पूरा मान लेते हैं। इसके बाद नियमानुसार भवन मालिक या नपा इंजीनियर को कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र तैयार कराना चाहिए। न तो भवन मालिक इस ओर ध्यान देते हैं, न ही नपा के इंजीनियर मौके की जांच के बाद कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी करते हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक ही नपा नामांतरण के लिए सालाना 800 से ज्यादा और भवन निर्माण के लिए 600 से ज्यादा अनुमति जारी करती है। इसके बाद भी तीन साल में अब तक एक भी कार्यपूर्णता प्रमाणीकरण पत्र जारी नहीं किया गया। नियम के मुताबिक निर्माण नहीं होने पर नपा ऐसे निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई कर सकती है।

रेलवे डबल लाईन के लिए

रतलाम-नीमच डबल लाईन के लिए रेलवे द्वारा गीताभवन अंडर ब्रिज को दो माह के लिए बंद किया गया है। यहां ब्लाक डालने के लिए पहले बेस तैयार किया गया और गुरुवार को ब्लाक अंडर ब्रिज में रखना शुरु किए गए।

छह क्विंटल में वसूली का टारगेट डेढ़ खोखा..?

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय से लगते थाने के एक सुपर कॉप इन दिनो चांदी काटने में मशगूल है। नाहरगढ़ क्षेत्र से उठाए गए एक वाहन और चार लोगो को कई दिन तक बैठाए रखा गया। उसके बाद हुई वसूली की कहानी। जिसमें दो एएसआई को लगाया गया।

गुरु बाँच

वसूली का टारगेट डेढ़ खोखा रखा गया, जिसमें से 80 पेटी के करीब तो चमकोमाईसीन से छीन लिए जाने की जानकारी मिली है। अभी कुछ और लोग बचे हैं। जिनसे वसूली के प्रयास जारी है। मजे की बात यह है कि एक बीजेपी नगर अध्यक्ष और सरकारी कर्मचारी भी हाथ आए थे। आश्चर्य इस बात का है कि आखिर मामले को इतना गुप्त क्यों रखा हुआ है कि डीएसआर में भी जानकारी नहीं दी गई। यदि खबर सच्ची है तो पुलिस कप्तान को अपनी पैनी नजर इधर भी घुमाना चाहिए। नहीं तो स्क्वाड की आड़ में ऐसे खेल होते रहेंगे।

यहां कांग्रेसी बहुत है कांग्रेस नहीं, फिर भी एक अदद जिला अध्यक्ष की तलाश है...

मंदसौर/उज्जैन, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र का जनमत और राजनीति को जानने समझने वाले अच्छी तरह से जानते है कि मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र में कांग्रेसियों की कमी नहीं है। गाहे-बगाहे जमीन पर तभी नजर आते हैं जब कोई राष्ट्रीय या प्रादेशिक नेता का आगमन होता है। तब भी इन्हें उंगलियों पर गिना जा सकता है या सौ तक गिनती आती हो तब भी। आज तो शायद संख्या सैकड़ा पार भी कर जाए। क्योंकि, जयवर्धन सिंह जिला अध्यक्ष चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनकर आ रहे हैं। तो वह सब जो अध्यक्ष की स्पर्धा में है, पर पार्टी कार्यक्रम, जन आंदोलन में नजर नहीं आते थे। सामाजिक छवि भी बना नहीं पाए हैं, प्रत्याशी भी खुद अध्यक्ष भी खुद बनना चाहते हैं। वहीं अगर कोई दूसरा बन जाए तो विरोध करते हैं कि बाहरी, जनाधार विहीन बता कर विरोध करते हुए नजर आते हैं। खुद का जनाधार कभी पैमाने पर परखा नहीं जमानत मुश्किल से बचा पाने वालों की भीड़ नजर आएगी। ऐसे आयोजनों में जो नजर आते हैं, वे कांग्रेसी भी हो सकते हैं, बड़े नेताओं की पसंद भी, पर दम घुटती कांग्रेस का जनाधार बढ़ाकर उसमें ऑक्सीजन नहीं फूंक सकते हैं। यह संसदीय क्षेत्र बहुत बड़े-बड़े नाम वाले कांग्रेसियों का है। सभी जानते हैं, इसलिए नाम लिए बगैर देख ले, कांग्रेस कहां है। जबकि, कांग्रेसी बहुत है।

चन्द्रमोहन भगत

पाठको के मन में सवाल उठ सकता है कि मुख्यालय के विधायक विपिन जैन कांग्रेस के ही हैं। दुनिया मान रही है पर अपनी कार्य शैली व्यवहार और जनता में प्रतिद्वंद्वी से बेहतर छवि के कारण ही विधायक बने हैं। अगर कांग्रेस की छवि ऐसी होती तो सभी कांग्रेस के प्रत्याशी जीत जाते। हमारे शोध का मंथन भी यही इंगित कर रहा है कि संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस नहीं रही, जबकि कांग्रेसी बहुत सारे हैं। दरअसल जमाने के साथा राजनीतिक धारा बदली और सबसे ज्यादा कांग्रेस की, ढाई तीन दशक पहले तक कांग्रेस का ही कार्यकर्ता से लेकर नेता तक यह सार्वजनिक स्वीकारता था कि कांग्रेस है तो हम कांग्रेसी नेता है। अब बदली धारा में कहा जाता है कि हम कांग्रेस में नेता हैं, इसलिए कांग्रेस है। इसी धारा को अपनाने वाले प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधियां, सुरेश पचौरी जैसे नेता अपने खास समर्थकों सहित कांग्रेस को त्याग चुके हैं। विश्वास होगा कि हम छोड़ देंगे तो कांग्रेस नहीं रहेगी। इस बदली विचारधारा को मानने वालों से लेकर शायद कांग्रेस हाई कमान भी ऐसा ही सोचने लगा होगा। तभी तो जमीनी, सामाजिक जन आधार रखने वाले कार्यकर्ता लगातार उपेक्षा का शिकार होते रहे हैं और कांग्रेस निरंतर जन आधार खोती जा रही है।

संसदीय क्षेत्र में एकमात्र कांग्रेसी विधायक विपिन जैन है, तो सिर्फ प्रत्याशी कांग्रेस के थे। आम जनमत में उनका अपना व्यक्तित्व, कार्य प्रणाली, कार्यकर्ताओं और जनमानस से आत्मीय मिलनसारिता के भाव प्रदर्शन ने विधायक बनने के लिए जितवा दिया था। अगर कांग्रेस ही बेहतर होती तो सभी या अधिकांश प्रत्याशी जीत जाते ! ऐसे ही राजनीतिक हालात प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस प्रत्याशियों के रहे थे। इसलिए संख्या बल का अंतर कांग्रेसियों को मुंह चिढ़ा रहा है। खैर वर्तमान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने स्वीकारा है कि कांग्रेस में संगठन का कद घट गया और कांग्रेसी नेताओं का बहुत बढ़ गया है। केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में स्वीकारोक्ति के बाद सुधारवादी परिवर्तन की उम्मीद मरणासन्न कांग्रेस भी कर रही है। प्रत्येक जिले में पर्यवेक्षकों के दौरे हो रहे हैं। इनकी पर्यवेक्षिका रिपोर्ट में कौन छटेगा, कौन निपटेगा, किन आधारों पर बनेगा, यही निर्धारित करेगा कि कांग्रेस पहले की तरह पुनर्जीवित होगी या वर्तमान की तरह बेजान बिजूका बन लोकतंत्र में अपनी उपस्थित देती रहेगी..!

एक्सप्रेस-वे पर अब अनाधिकृत रूप से प्रवेश नहीं कर सकेंगे वाहन, दुर्घटना का खतरा कम होगा

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर और रतलाम से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अब सफर करने वाले लोगों का सफर और भी आराम दायक और सुरक्षित होगा। जयपुर टैंकर ब्लास्ट की घटना से सबक लेते हुए नेशनल अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाईवे पर बने अनाधिकृत कट को बंद कर दिया है। इतना ही नहीं एनएचएआई ऐसे प्वाइंट्स को चिन्हित भी कर रहा है, जहां से अनाधिकृत रूप से हाईवे पर वाहनों का प्रवेश हो जाता है। बताते है कि हाईवे से लगे हुए खेतों में जाने के लिए कई जगह पर किसानों ने अनाधिकृत तौर पर कट बना लिए थे। इन्हीं कट के जरिए किसान व अन्य लोग व मवेशी हाईवे पर आते-जाते थे। जिसके कारण हादसे की आशंका बनी रहती थी। अब एनएचएआई ने हाईवे पर बनाए गए ऐसे अनाधिकृत कट को ग्रामीणों से बातचीत कर बंद कर दिया है। अनाधिकृत कट बंद होने के बाद अब किसानों को भी सही तरीके से वैध जगह पर दिए गए डिवाइडर से ही हाइवे पर एंट्री करनी होगी जिसके कारण हादसों का खतरा कम होगा।

पशु दिखे तो भेजा जाएगा आश्रय स्थल...

इतना ही नहीं नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं के कारण होने वाले हादसों को लेकर भी एनएचएआई गंभीर है और एक प्रायोगिक परियोजना शुरु की है। इसके तहत नेशनल हाईवे पर आवारा घूमने वाले पशुओं को एक निर्धारित आश्रय स्थल पर भेजा जाएगा। जहां उनकी देखभाल की उचित व्यवस्था की जाएगी। ऐसा होने से आवारा पशु भी सुरक्षित रहेंगे और उनके कारण होने वाले हादसे भी नहीं होंगे, जिससे यात्रियों की यात्रा भी सुरक्षित होगी।

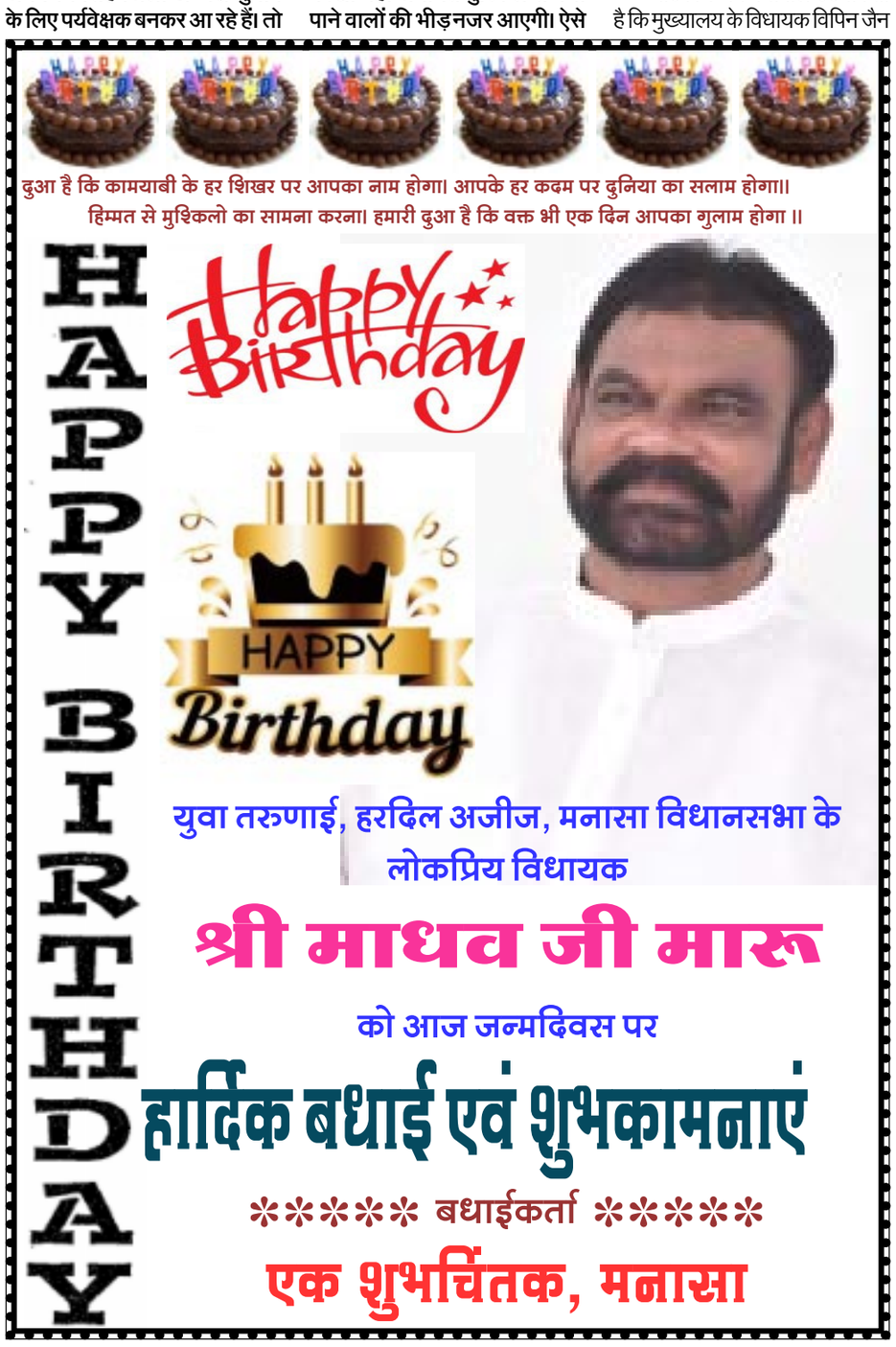

बेशकीमती सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया

गरोठ, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में बेशकीमती सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन की कीमत डेढ़ से दो करोड़ रूपए आंकी गई है। दरअसल जनपद पंचायत गरोठ ने अपनी जमीन में बाउंड्रीवाल के लिए आवेदन किया था। इसके बाद सीमांकन के लिए अमला पहुंचा। यहां 11 हजार वर्ग फीट भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया।

पुलिस ने हटाया अवैध अतिक्रमण्...

मनासा, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार दोपहर मनासा के नवनिर्मित सरकारी अस्पताल के सामने शेड लगाकर किये गए अवैध अतिक्रमण को प्रशासनिक अमले ने हटाया। दरअसल मनासा के नीमच रोड पर नए बने सरकारी अस्पताल के सामने कुछ लोगों ने खाली जमीन पर शेड बनाकर अवैध अतिक्रमण कर लिया था। जिसकी शिकायत मिलने पर प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।

यहां अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान 6 से अधिक अस्थाई गुमटी, शेड नुमा दुकानों को हटाया गया। अतिक्रमणकर्ता भी अपने अतिक्रमण को हटाते हुए नजर आए। मनासा तहसीलदार बीके मकवाना ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने शिकायत की थी कि उनके अस्पताल की जगह और बाउंड्री के पास कुछ लोगों ने गुमटी लगाकर कब्जा किया है। जिस पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। 6 से ज्यादा गुमटियों को हटाया गया है।

विचार-मंथन

चरमपंथियों के पास से मिले अत्याधुनिक हथियार

पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में खालिस्तानी अलगाववाद की आग फिर से लहकाने की कोशिश हो रही है। इसके तार ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका और सीमावर्ती पाकिस्तान से जुड़े पाए गए हैं। हालांकि पंजाब पुलिस और खुफिया एजंसियों की तत्परता से ऐसी कोशिशों को समय रहते नाकाम कर दिया गया, मगर अब भी कुछ युवा गुमराह होकर इस रास्ते पर निकलते देखे जाते हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मारे गए तीन खालिस्तान समर्थक युवा इसके ताजा उदाहरण हैं। ये तीनों खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य बताए जा रहे हैं। इस संगठन का अगुआ रणजीत सिंह नीता है और इसे ग्रीस में रहने वाले जसविंदर सिंह मन्नू द्वारा संचालित किया जाता है। बताया जा रहा है कि इस संगठन को ब्रिटेन में रहने वाले और ब्रिटिश सेना में सेवारत जगजीत सिंह द्वारा नियंत्रित किया जाता है। पीलीभीत में मारे गए तीनों युवकों को पंजाब पुलिस को तलाश थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने गुरदासपुर की पुलिस चौकी पर हथगोले से हमला किया था। पंजाब पुलिस उनका पीछा करते हुए पीलीभीत पहुंची थी और वहां की पुलिस को इन तीनों के बारे में जानकारी दी थी। दोनों पुलिस दल के संयुक्त अभियान में तीनों अलगाववादियों को मार गिराया गया। अच्छी बात है कि पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वांछित अपराधियों का पीछा किया और उनकी तरफ से किए गए हमले का सावधानी से सामना किया। मगर पंजाब में अलगाववादी चरमपंथियों का मनोबल अब भी तोड़ने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है, तो यह चिंता की बात है। मारे गए चरमपंथियों के पास से अत्याधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोली-बारूद बरामद किया गया है। माना जा रहा है कि ये तीनों उत्तर प्रदेश से सटी नेपाल की सीमा में घुसपैठ कर जाना चाहते थे। जहां वे मुठभेड़ में मारे गए, वहां से नेपाल की सीमा थोड़ी ही दूरी पर है। पंजाब भी सीमावर्ती राज्य है और पाकिस्तान से जब-तब आतंकी चुनौतियां मिलती रहती हैं। मारे गए युवकों के पास से बरामद हथियार उन तक कहां से पहुंचे, यह फिलहाल जांच का विषय है, पर अंदाजा लगाना कठिन नहीं कि सीमा पार से उन्हें मदद मिली होगी। हालांकि पंजाब में पाकिस्तान से लगी सीमा के पचास किलोमीटर के दायरे में सीमा सुरक्षा बल को निगरानी, जब्ती, गिरफ्तारी आदि की शक्तियां दे दी गई हैं। पहले केवल पंद्रह किलोमीटर के दायरे में वह निगरानी रख सकता था। इसके बावजूद ड्रोन आदि के जरिए वहां हथियार गिराने की अक्सर घटनाएं हो जाती हैं। यह ठीक है कि पंजाब में खालिस्तान की मांग जोर नहीं पकड़ रही है और न इसकी गुंजाइश नजर आती है, मगर विदेश में बैठे कुछ चरमपंथी पंजाब के युवाओं को गुमराह कर हाथ में बंदूक उठाने को प्रेरित करने में कामयाब हो जा रहे हैं, तो यह चिंता की बात है। हालांकि भारत सरकार कनाडा आदि की सरकारों को ऐसे चरमपंथियों के बारे में दस्तावेज सौंपती और कार्रवाई की मांग करती रही है, मगर उनका अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता। कनाडा के साथ तो इस मसले पर रिश्ते खराब हो चुके हैं। ऐसे में सरकार को अपने स्तर पर ही अधिक चौकस और पैनी निगाह रखनी पड़ेगी। खुफिया एजंसियों को ऐसी गतिविधियों पर अधिक चौकन्ना होकर नजर रखने की जरूरत है। अगर सीमा पार से ऐसे लोगों को मदद मिल पा रही है, तो इसे लेकर व्यावहारिक उपाय जुटाने होंगे।

बायोहैकिंग क्या है? भारत में इसका प्रचलन कैसे बढ़ा?

कमलेश पांडे

लाइफ इज मिंट फ़ॉर जॉय यानी जीवन जीने के लिए है। लेकिन कुछ लोग प्राकृतिक और शारीरिक परिस्थितियों में मनमाफिक बदलाव लाकर ज्यादा से ज्यादा जीने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इनके लिए बायोहैकिंग एक ऐसा शब्द बन चुका है जो शरीर की काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने और उम्र बढ़ाने के तरीकों से जुड़ा हुआ है। इसलिए अब दुनिया के लोग इस पर फिदा होते जा रहे हैं। भारत में भी बायोहैकिंग के दीवाने बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि विश्वविद्यालयों में बायोसाइंसेज और हेल्थ रिसर्च से जुड़े छात्रों में इस नवीनतम ज्ञान और शोध के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। इस बारे में लोग पूछताछ कर रहे हैं। बता दें कि बायो और हैकिंग नामक दो शब्द सेहत से जुड़ी बायोलॉजिकल प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। ये भले ही नॉन-ट्रेडिशनल हैं और अभी मेडिकली इस पर मुहर नहीं लगी है। फिर भी इनके पीछे कुछ वैज्ञानिक साक्ष्य हैं, जो क्लिनिकल प्रैक्टिस में आने के लिए यह काफी नहीं है। हालांकि, इसके व्यक्तिगत अनुप्रयोग में इजाफा देखा जा रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स भी इस बात की चुगली कर रही हैं कि मौत को मात देने के इस नए ट्रेंड का भारत में प्रचलन बढ़ रहा है। यहां बायोहैकिंग का क्रेज इतना है कि रोज इसके अनुगामियों की संख्या बढ़ रही है। अब तो डाइटिंग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा उपायों और योग-ध्यान से जुड़े रहस्यों के साथ भी

इसे जोड़ा जाने लगा है। आपको पता होगा कि महज 47 साल के अमेरिकी बायोहैकर और उद्यमी ब्रायन जॉनसन इन दिनों मौत को मात देने पर तुले हुए हैं। हाल ही में वो भारत भी आए थे।यहां पर भी उन्होंने अपना एज-रिवर्सिंग ब्लूप्रिंट प्रोटोकॉल लॉन्च किया, जिसमें ढेर सारे सप्लीमेंट्स, टेस्ट, एक्सपेरिमेंट्स, खास तरह का डाइट प्लान और एलईडी लाइट एक्सपोजर जैसे तमाम उपायों के सहारे जीवन प्रत्याशा बढ़ने-बढ़ाने के दावे किए गए हैं। एक अंग्रेजी दैनिक के मुताबिक, भारत में भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह (ग्रुप) बन गया है, जो अपने शरीर और दिमाग को बेहतर बनाने के लिए हर तरह के उपाय लगा रहे हैं। इनमें कड़ाके की ठंड में बर्फ स्नान से लेकर रेड लाइट थेरेपी और ढेर सारे सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल तक शामिल है। यही नहीं, कुछ लोगों के रूटीन में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी शामिल है। वहीं, कुछ लोग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें पैदा करने वाले उपकरणों से अपनी आयु बढ़ाने के जतन में जुटे हुए हैं। इसलिए आज मैं अपने इस आलेख के माध्यम से आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा बजट न हो, लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है। इससे जुड़ी कोई शोध रिपोर्ट्स भी अबतक नहीं आई है। हालांकि कुछ बायोहैक्स तो बहुत आसान हैं, जैसे ध्यान, उपवास, सप्लीमेंट्स लेना, धूप में बैठना और एक्सरसाइज करना। लेकिन इस क्षेत्र में कई तरह के अनुप्रयोग भी किए जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर, जॉनसन ने अपने बेटे के साथ प्लाज्मा और ब्लड स्वैप किया। वहीं, चेहरे में डोनर फैट इंजेक्शन भी लगाया, जो कामयाब नहीं रहा। सवाल है कि भारत में बायोहैकिंग का चलन कैसे विकसित और प्रचलित हुआ? क्योंकि बायोहैकिंग आधुनिक दवाइयों के परिणाम से नाखुशी मतलब साइड इफेक्ट्स की वजह से विकसित हुआ है। समझा जाता है कि लंबी उम्र या सेहतमंद जीवन जीने की बढ़ती दिलचस्पी ही लोगों को बायोहैकिंग की तरफ आकर्षित कर रही है। बताया जाता है कि जहां भारत में डिकोड एज के को-फाउंडर राकेश सोमानी ने दस साल पहले अपनी परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए बायोहैकिंग शुरू किया था। वहीं, लोग तरह-तरह के अनुप्रयोग कर रहे हैं और अपने अनुभवों को भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। कुछ लोग बर्फ के पानी में डुबकी लगाते हैं; वो भी तब, जबकि दिल्ली में कड़ाके की सर्दी पड़ रही हो। क्योंकि इनका मानना है कि आइस बाथ यानी बर्फ स्नान से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यायाम के बाद रिकवरी अच्छी होती है। इससे दिमाग भी ज्यादा मजबूत बनता है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ग्लूटेन, कॉर्न, डेयरी और प्रोसेस्ड फूड आदि छोड़ दिए हैं। इनका डिनर शाम छह-सात बजे तक खत्म हो जाता है। ऐसे लोग स्किन हेल्थ, मसल्स रिकवरी के लिए रेड लाइट थेरेपी का भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं, योग के अलावा तनाव को कंट्रोल में रखने के लिए न्यूरोफीडबैक के रूटीन को पूरा करते हैं। वहीं कुछ लोग हफ्ते में दो बार 23 घंटे का उपवास करते हैं। इनकी प्रक्रियाओं में प्रोटीन लेना, ढेर सारे सप्लीमेंट्स, क्रायोथेरेपी (जबरदस्त ठंड में रहना), एंटी-एजिंग ड्रग्स ड्रिप्स और रेड लाइट थेरेपी आदि शामिल हैं, जो इनके प्रयोगकर्ताओं के रूटीन में शामिल हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि ऐसे लोग यह सब कुछ करते हुए भी रोज महज छह घंटे ही सोते हैं और अपनी प्रोग्रेस ट्रैक करने के लिए डिवाइस भी पहनते हैं। वहीं कुछ लोग धूप में बैठते हैं, घास पर नंगे पैर चलते हैं, रेड लाइट थेरेपी करते हैं, ग्राउंडिंग मैट्स का इस्तेमाल करते हैं। वह ब्लू-लाइट ब्लॉकिंग ग्लासेज पहनते हैं, ताकि लंबा जीवन जी सकें। ये लोग पेट के माइक्रोबायोम का एनालिसिस भी करवाते हैं और अपने ब्लड एज भी चेक कराते हैं। कहने का तात्पर्य यह कि लोग अपने जीवन को, आयु को बढ़ाने के लिए इतने सारे यत्न प्रयत्नपूर्वक करते हैं। हालांकि, इनकी बढ़ती गतिविधियों से कुछ लोगों के मनोमस्तिष्क में यह सवाल भी पैदा हो रहा है कि क्या बायोहैकिंग नुकसानदेह भी हो सकता है? इसको स्पष्ट करते हुए सीएसआईआर इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के एक्सपर्ट बताते हैं कि बायोहैकिंग एक खतरनाक रास्ता भी हो सकता है, क्योंकि ज्यादातर बायोहैकिंग क्रियाएं बिना खतरों को देखे, महसूस किए ही किये जाते हैं। जो वजन कम करने के लिए डायबिटीज की दवा ओजेम्पिक के हालिया चलन का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि यह दवा अत्यधिक मोटापे और मेडिकल कॉम्प्लिकेशन्स से जूझ रहे लोगों के लिए तो अच्छी हो सकती है।

नतीजों में हासिल अंकों को दिया जाता है अधिक महत्व

अमित कुमार

भारत में यह एक आम साझा अनुभव है कि लोगों को उनके वयस्क होने और वृद्धावस्था तक स्कूली परीक्षा से जुड़े बुरे सपने आते रहते हैं। अक्सर लोग अपने स्कूली जीवन के अनुभव के किस्से सुनाते मिल जाएंगे। बहुधा ऐसी यादें या ऐसे सपने किसी परीक्षा को याद करने या फिर उसके छूट जाने, उसमें असफल होने या तैयारी अधूरी होने से जुड़े होते हैं। यह कोई एकाकी और सामान्य घटना नहीं है, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली और समाज में गहराई तक जड़ें जमाए उन मूल्यों और दबावों का प्रतिबिंब है, जो बचपन से ही हमारे मस्तिष्क पर हावी रहते हैं। ऐसे सपने अनिश्चितता, तनाव और असहायता की गहरी भावना के साथ आते हैं। किसी व्यक्ति को लगता है कि वह समाज की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रहा है, तो यह असुरक्षा उसके सपनों में भी प्रकट होती है। यों भी सपनों का सिरा हमारे अवचेतन से जुड़ा माना जाता रहा है। हमारी शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह सीखने के बजाय परीक्षा के नतीजों में हासिल किए गए अंकों को अधिक महत्त्व देती है। परीक्षा का उद्देश्य जहां विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास और उनकी क्षमताओं का आकलन करना होना चाहिए, वहीं यह केवल प्रतिस्पर्धा का पर्याय बनकर रह गया है। हर विद्यार्थी को बचपन से सिखाया जाता है कि जीवन में सफल होने का एकमात्र मार्ग परीक्षा में प्राप्त किए गए 'अच्छे अंक' हैं। यह मानसिकता शिक्षा का मूल उद्देश्य विकृत करती है और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। एक बार परीक्षा की तैयारी और प्रदर्शन का दबाव मस्तिष्क पर छा जाए, तो उसका प्रभाव जीवन भर चस्पां रहता है। इस स्थिति को बदलने के लिए सबसे जरूरी शिक्षा के मूल उद्देश्य को समझना है। शिक्षा जीवन को बेहतर ढंग से समझने और जीने की कला सिखाने का माध्यम है। परीक्षा प्रणाली में सुधार करते हुए इसका स्वरूप कुछ इस तरह तैयार करना चाहिए कि यह विद्यार्थियों की समझ और सोचने की क्षमता का आकलन करे, न कि केवल रट्टा मारकर याद की गई जानकारी का। हमें ऐसे मापदंडों और आकलन प्रणाली की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों की आपस में तुलना न करे, कम से कम माध्यमिक स्तर तक। परीक्षा में हासिल किए गए अंक और तुलना पर आधारित आकलन विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क और फिर समूचे व्यक्तित्व पर क्या असर डालता है, यह अब छिपा तथ्य नहीं

है। पारंपरिक लिखित परीक्षाओं के स्थान पर वैकल्पिक पद्धतियों, जैसे प्रोजेक्ट से जुड़े कार्य, किताब के साथ परीक्षा, समूह चर्चा और प्रस्तुति की पद्धति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और सोचने की क्षमता विकसित करने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों को एक परीक्षा में नाकाम होने पर बार-बार मौका मिलना चाहिए। 'मांग आधारित परीक्षा' जैसी प्रणालियां, जहां विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा दे सकें, परीक्षा के दबाव को काफी हद तक कम कर सकती है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बरकरार रहता है। परीक्षा में उन सवालों को शामिल किया जाना चाहिए, जिनके एक से अधिक उत्तर हो सकते हैं। ऐसे सवाल विद्यार्थियों को अपने विचारों को व्यक्त करने और अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर देंगे। इससे रट्टा मारकर पढ़ने की प्रवृत्ति भी कम होगी। यह अपने आप ही स्पष्ट माना जाना चाहिए कि इन सुधारों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए शिक्षकों का अच्छी तरह से भुगतान अति अनिवार्य है, क्योंकि यह बेहतर कार्य के लिए एक प्रेरक तत्त्व का काम करता है। साथ ही, उन्हें पर्याप्त वक्त और सुविधा भी मुहैया होना चाहिए, क्योंकि रचनात्मक कार्यों के लिए भरपूर मेहनत और समय की जरूरत होती है। शिक्षा तंत्र के अतिरिक्त समस्या अभिभावक और समाज की सोच में भी है। बच्चों को अक्सर अपनी इच्छाओं के विरुद्ध समाज की अपेक्षाओं के अनुसार ढलने के लिए मजबूर किया जाता है। परीक्षा की तैयारी में 'क्या सीख रहे हैं' से अधिक 'कैसे अच्छा प्रदर्शन करें' पर जोर दिया जाता है। यह रवैया बच्चों के लिए परीक्षा को एक डरावने अनुभव में बदल देता है। उनके अंदर यह डर बैठ जाता है कि असफलता का मतलब व्यक्तिगत नुकसान से बढ़कर परिवार और समाज की उम्मीदों पर भी चोट है। इसलिए भले ही व्यक्ति वास्तविक जीवन में सफल हो जाए, परीक्षा से जुड़ा यह डर और असुरक्षा उसके मन के किसी कोने में बने रहते हैं।

पर्यावरण और सवाल- समुद्री पक्षियों पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव

समुद्री पक्षी महासागर के दूर दराज द्वीपों प्रजनन करते है जहां कई बार इंसानी गतिविधियां न के बराबर होती हैं। परन्तु फिर भी इंसानों द्वारा निर्मित एक ऐसा वस्तु है जो समुद्री पक्षियों के लिए एक भयंकर संकट बन चुका है और वह है प्लास्टिक। समुद्री पक्षी मुख्यतया- महासागर पर निर्भर रहने वाले पक्षी हैं। वे ज्यादातर अपना जीवनकाल मुख्य भूखंड से दूर समुद्र में व्यतीत करते हैं तथा महासागर के हर छोर पर पाए जाते हैं। इन पंछियों के पंख जलरोधक होते हैं और खारे पानी से नमक को अलग करने की इनमें विशेष क्षमता होती है। समुद्रीय पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में इनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। समुद्री पक्षी महासागर के दूर-दराज द्वीपों प्रजनन करते हैं जहां कई बार इंसानी गतिविधियां न के बराबर होती हैं। परन्तु फिर भी इंसानों द्वारा निर्मित एक ऐसा वस्तु है जो समुद्री पक्षियों के लिए एक भयंकर संकट बन चुका है और वह है प्लास्टिक। आज तक जितने भी प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, वह अभी भी धरती पर मौजूद है। इस सदी के पहले दशक में इतनी मात्रा में प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, जो सन् 2000 से पहले कभी नहीं हुआ। वर्तमान में समुद्र में लगभग 15 -51 ट्रिलियन प्लास्टिक के कणों के मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है। प्लास्टिक की उपस्थिति हजारों मीलों दूर समुद्र के बीचों-बीच स्थित द्वीपों पर भी दर्ज की गई है। उत्तर पैसिफिक में ग्रेट पैसिफ़िक गार्बेज पैच नाम से जाना जाने वाला विशाल कचरे का खंड है जो आकार में अमेरिका के टेक्सास राज्य से दोगुना है। प्लास्टिक की समस्या, समुद्री तट से लेकर महासागर की गहराईयों और दूरवर्ती द्वीपों पर भी गंभीर रूप लेती जा रही है। हर साल हजारों की तादाद में समुद्री पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के प्रमाण पाए गए हैं। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि प्रत्येक वर्ष लगभग 1 मिलियन पक्षियों की प्लास्टिक निगलने के कारण मृत्यु होती है। सन् 1960 में, 5 प्रतिशत से भी कम पक्षियों के पेट में प्लास्टिक पाए गए थे। अब 20 साल बाद यह संख्या 10 गुना बढ़ के 80 प्रतिशत हो गई है। यह समस्या बहुत ही गंभीर है और विस्फोटक तरीके से बढ़ती जा रही है, जिसके कारण इन पक्षियों की जनसंख्या और प्रजनन पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ सकता है। सन् 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्रीय पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के खतरे का अनुमान है। वैज्ञानिक शोध से यह जाना गया है की समुद्री पक्षियों में प्लास्टिक निगलने के अनेक गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। वयस्क पक्षी गलती से प्लास्टिक के कचरे को शिकार समझकर चूजों को खिला देते हैं जो बहुत छोटे, और शिकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। प्लास्टिक निगलने से इन चूजों की वयस्कता तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है। प्लास्टिक पक्षियों के पेट में जमा होने लगता है, जिसकी वजह से भुखमरी जैसी स्थिति पैदा होने से इनकी मृत्यु हो जाती है। मृत समुद्री पक्षियों के पेट में काफी मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है। प्लास्टिक के सेवन के बाद समुद्री पक्षियों में स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रकार की समस्याएं देखी गई हैं, जैसे जो पक्षी वयस्कता तक जीवित रह जाते हैं उनके शरीर का विकास कम होता है। उनके पंख और चोंच छोटे रह जाते हैं और शरीर का वजन भी कम होता है। प्लास्टिक पक्षियों में गुर्दे संबंधित विकार से यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने के साथ कोलेस्ट्रॉल एवं एन्ज़ाइम्स के निर्माण पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। प्लास्टिक निगलने की समस्या समुद्री सतह पर शिकार करने वाले जैसे अल्बाट्रोस या गोते लगाने वाले जैसे पफिंस में भी पाई गई है। कुछ समुद्री पक्षी जैसे ऐल्बाट्रॉस प्लास्टिक पर दिए हुए मछलियों के अंडे या फिर प्लास्टिक के टुकड़ों को स्क्विड समझ कर खा जाते है।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5459

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5458

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5459

संकेत: बाएं से दाएं

1. 26 सितंबर 1923 को इस महान अभिनेता और निर्माता ने जन्म लिया था (5)
5. विवाह के समय वधू को घर को अंगीकार करना (3)
6. 1970 की पंजाब की प्रसिद्ध प्रेम कथा पर आधारित फिल्म जिसमें राजकुमार-प्रिया राजवंश की जोड़ी थी (4)
9. यह इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
11. [illegible] अभिनीत 1970 की सफल फिल्म (6)
13. पुराणानुसार सात पातालों में से पहला, पेंदा, नीचे की सतह (2)
14. सड़क, मार्ग (2)
15. यहूदियों और मुसलमानों के धर्म ग्रंथों के अनुसार मनुष्य आदि का प्रजापति (3)
16. यह अभिनेत्री 2000 की मिस यूनिवर्स थी (4)
18. पराया, गैर आदमी (3)
20. कवि, घोड़े का एक भेद (3)
21. गर्वित होना, [illegible] होना (3)

ऊपर से नीचे

1. देवकी के बेटे होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम (5)
2. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (2)
3. आवागमन (4)
4. खटाई के योग से जमाया हुआ दूध (2)
7. गति, चाल (3)
8. यह भारत का 28 वां राज्य है जिसकी स्थापना 15 नवंबर 2000 को हुई थी (4)
10. यह एक संस्कृत नाटक है (5)
12. अवस्था, दशा (2)
14. कारोबार, तिजारत, व्यवसाय (4)
15. प्रतिष्ठा, मान, इज्जत (3)
16. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
17. जोश, ताप (2)
18. पीछे (अंग्रेजी) (2)
19. विविध, अनेक प्रकार के (2)

वर्ग पहेली 5458 का हल

मा	ल	दी	व	■	प्र	शि	क्षा
ल	ल	न	■	अ	क	ल	■
वा	क	■	त	म	स्त	■	वि
■	ना	ता	■	न	द	■	द
ल	■	इ	■	त	र	स	ना
ब	ह	ती	न	■	मै	ल	■
ला	भ	■	फल	■	ली	ला	■
■	ल	क्ष	■	ह	री	न	■

हम स्वयं को नहीं जानते कि मैं कौन हूं- स्वामी प्रणवानंद सरस्वती

श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में स्व (स्वयं) का बोध विषय पर व्याख्यान हुए

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में 25 दिसम्बर को श्री मार्कण्डेय सन्यास आश्रम ओंकारेश्वर के परम पूज्य स्वामी श्री प्रणवानंदजी सरस्वती के स्व का बोध अर्थात स्वयं (आत्मा) का बोध (ज्ञान) अर्थात वास्तव में मैं कौन हूँ, क्या मैं जल, पृथ्वी, अग्नि, आकाश, वायु जो इन पांच भूतों-तत्वों में मेरा शरीर है क्या वास्तव में यही शरीर हूं या फिर कुछ और हूं।

किसी से भी पूछो कि आप कौन हो तो वह झट से अपना नाम बता देगा परन्तु नाम जन्म के बाद दिया गया और नाम भी एक नहीं कई और हो गये। शरीर को इंगित करके कोई यह नहीं कहता मैं सिर-पैर-हाथ-मुंह-नाक-कान आदि अंग हूँ बल्कि यही कहेगा ये सब अंग मेरे है। इतना ही नहीं मन बुद्धि चित्त अहंकार अंत:करण सब मेरे है। इससे स्पष्ट है कि इन सबको जानने वाला कहने वाला कोई ओर है और यह वहीं आत्मा है जो स्वयं में हूँ जो इस शरीर में स्थित 5 कर्मेन्द्रियां, 5 ज्ञानेन्द्रियां मन बुद्धि चित्त का नियंत्रक-इनको संचालन करने वाला आत्मा मैं ही हूँ जिसके लिये भगवान ने गीता में ममैवांशोजीवलोके अर्थात यह जीव मेरा ही अंश है। रामायण में भी स्पष्ट कहा ईश्वर अंश जीव अविनाशी सचमुच हम शरीर नहीं ईश्वर के ही अंश है।

यह भव ज्ञान दृढता से हम तभी अनुभव कर सकते है जब हम किसी ब्रह्मवेत्ता, ब्रह्मनिष्ठ श्रोत्रीय महापुरूष का सानिध्य हमें प्राप्त हो। संत युवाचार्य महन्त स्वामी मणी महेश चैतन्यजी महाराज, स्वामी किशोरजी महाराज, स्वामी वासुदेव चैतन्यजी महाराज, स्वामी मोहनानन्दजी महाराज भी मंचासीन थे। संतों का पुष्पहारों से सम्मान चैतन्य आश्रम लोकन्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, सचिव रूपनारायण जोशी, कोषाध्यक्ष महेश गर्ग, पूर्व कोषाध्यक्ष जगदीश सेठिया, वरिष्ठ सदस्य राधेश्याम गर्ग, बंशीलाल टांक, प्रद्युम्न शर्मा, श्री राम सेना संयोजक राजेश चौहान आदि के अतिरिक्त गांव आक्या, एलची, मामनखेडा, बनी, दलौदा रेल, अमलेश्वर, नाथूखेडी के कई भक्तों ने सत्संग लाभ लिया संचालन आश्रम के युवा संत पूज्य मणीमहेश चैतन्यजी महाराज ने किया। आभार सचिव रामनारायण जोशी ने माना।

कर्मचारियों एवं अधिकारियों की लापरवाही के चलते अपनी पैतृक कृषि भूमि पर अपना नाम जुड़वाने के लिए...

14 साल से भटक रहा हैं ओंकारलाल का परिवार

मन्दसौर 26 दिसम्बर। राजस्व विभाग की लापरवाहियां आए दिन कई बार सामने आती रही है। कई किसान राजस्व विभाग की लापरवाहियों के कारण आत्म हत्या तक कर चुके है। ऐसा ही एक गंभीर मामला मन्दसौर जिले ग्राम नांदवेल का सामने आया है। दलौदा तहसील के ग्राम नांदवेल के किसान ओंकारलाल पिता रामचन्द्र कुमावत की पुस्तैनी कृषि भूमि सर्वे नंबर 1224/3/2 रकबा 0.411 पर 2010 तक उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का नाम था क्योंकि यह उसकी पुस्तैनी जमीन है लेकिन वर्ष 2009- 2010 के बाद जब हस्तलिखित रिकॉर्ड कंप्यूटराइज्ड हुआ तब राजस्व विभाग की गलती एवं घोर लापरवाही से ओंकारलाल एवं उसके परिजनों के स्थान पर गोपालसिंह पिता भगवानसिंह राजपूत निवासी नांदवेल का नाम राजस्व रिकॉर्ड में कम्प्यूटर में दर्ज कर दिया गया। जब इस बात की जानकारी हुई तो आवेदक ने तहसीलदार को आवेदन किया और सुधार का निवेदन किया गया। तहसीलदार ने कई बार दिए अपने प्रतिवेदन में यह स्वीकार किया कि गंभीर त्रुटि हुई है इसे सुधार किया जाए लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ बल्कि गोपालसिंह की मृत्यु के बाद वर्ष 2022-2023 में उसके वारिसों अजयकुंवर, देशपालसिंह, जितेन्द्रसिंह, मीनाक्षी, संगीता के नाम दर्ज कर दिए गए। जबकि कब्जा ओंकारलाल का ही चला आ रहा है। तहसील एवं एसडीओ के न्यायालय में मामला एवं जांच के दौरान ही गोपालसिंह के वारिसों द्वारा 02/09/2024 को उपरोक्त कृषि भूमि को नीतू बाई पति राजकुमार निवासी परवलिया जावरा एवं मंजू बाई कुमावत बरखेडा तहसील खाचरोद को विक्रय कर दिया गया है। जबकि मामला न्यायालय में प्रचलित है। यही नहीं जिस तहसीलदार ने ओंकारलाल के पक्ष में प्रतिवेदन दिया उन्होंने ही सारे तथ्यों को जानते हुए नीतूबाई एवं मंजूबाई के नाम नामांतरण दिनांक 13/12/2024 को कर दिया जबकि ओंकारलाल ने सभी दस्तावेजों के साथ नामांतरण पर अपनी आपत्ति प्रस्तुत की थी। इस प्रकार राजस्व विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा खुलेआम नियमों के विपरित कार्य किया गया।

अब ओंकारलाल एवं उसके परिवार ने अपने अभिभाषकगण डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं महेश कुमार मोदी के माध्यम से सिविल एवं अन्य न्यायालय में कार्यवाहीया प्रारंभ की है। मामले में आगे जानकारी देते हुए पीडित किसान के अभिभाषक डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर एवं महेश कुमार मोदी ने बताया कि उपरोक्तानुसार राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों को गंभीर अपराधों की सूचना होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। इस प्रकार जिला प्रशासन स्वयं अपराध एवं अपराधियों को प्रश्रय दे रहा है जो स्वयं अपने आप में घोर अपराध है। अभिभाषकगण डॉ तोमर एवं मोदी ने बताया कि वह पीडित किसान की ओर से मन्दसौर सिविल न्यायालय में तो कार्यवाही करने का ही रहे है साथ ही दोषी राजस्व विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों एवं विपक्षीगणों के विरुद्ध भी सक्षम न्यायालय में आपराधिक प्रकरण हेतु परिवाद प्रस्तुत करने जा रहे है। डॉ तोमर एवं मोदी ने बताया कि इस मामले में पीडित किसान और उसके परिवार की ओर से माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के समक्ष एक याचिका भी प्रस्तुत की जा रही है तथा जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों को भी पत्र भेज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र कार्यवाही का निवेदन किया जा रहा है।

विश्वव्यापी स्तर पर हो आराध्या वेलफेयर सोसाइटी का नाम-राष्ट्रीय संत नागर

राष्ट्रीय संत के आतिथ्य में हुआ बेटियों को जन्म देने वाली माताओं का सम्मान..!

नीमच, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आराध्या वेलफेयर सोसाइटी के नेतृत्व में राजमाता विजय राजे सिंधिया जिला चिकित्सालय नीमच परिसर में राष्ट्रीय संत श्री मिथिलेश जी नागर के मुख्य अतिथि के रूप में बेटियों को जन्म देने वाली माताओं के सम्मान के कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाते हुए बताया कि आज जिला चिकित्सालय नीमच में बेटियों को जन्म देने वाली माताओं का सम्मान एक सराहनीय पहल ओर अनुठा प्रयास है आज भ्रूण हत्या समाज में इतनी हो रही है अगर बेटी मां के गर्भ में हो तो सोनोग्राफी द्वारा उसे चेक कराकर उसको भ्रूण में ही मार दिया जाता है आज मैं आराध्या वेलफेयर सोसाइटी की समस्त बहनों को साधुवाद, धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने ऐसी अनूठी पहल कर के मातृ शक्तियों का सम्मान करने के लिए समाज में जागरूकता पैदा करने का सराहनीय कार्य किया है इसी प्रकार आराध्या वेलफेयर सोसाइटी पर्यावरण के लिए निरंतर पौधारोपण का कार्य करती है जिस

तरह से आराध्या वेलफेयर सोसाइटी की समस्त बहनें सामाजिक कार्यों में लगी हुई है मैं नीमच शहर के आस पास की समस्त माता बहनों से निवेदन करता हूं कि आराध्या वेलफेयर सोसाइटी से जुडकर के अपने-अपने गांव तक इस प्रकार के समाज सेवी कार्यो में अपना योगदान दें और इस आराध्या वेलफेयर सोसाइटी का नाम पूरे विश्व स्तर तक पहुंचे ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं!

इसी कडी में आराध्या संयोजिका एडवोकेट माया मीनू लालवानी अपनी संस्था द्वारा किए गए बेटियों को जन्म देने वाली माताओं के सम्मान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हमने जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय संत श्री मिथिलेश जी नागर की उपस्थिति में जच्चा बच्चा वार्ड में पहुंचकर बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को ड्राई फ्रूट्स, कंबल एवं मोतियों की माला से सम्मानित कर कार्यक्रम की बेला को निरंतर आगे बढ़ाया जिसमें हमें और बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को राष्ट्रीय संत श्री मिथिलेश जी नगर का आशीर्वाद प्राप्त हुआ! अंत में समाजसेवी मीना रोहिडा ने भी आराध्या के द्वारा निरंतर बेटियों को जन्म देने वाली माताओं को सम्मानित करने के कार्यक्रम की सराहना की! इस अवसर पर राष्ट्रीय संत श्री मिथिलेश जी नागर, आराध्या वेलफेयर सोसाइटी संयोजक एडवोकेट श्रीमती मीनू लालवानी, समाज सेवी श्रीमती ज्योति रोहिडा, मीना रोहिणा रोहिणा, शोभना रोहिणा, जया आटवानी, पायल लालवानी, अंजली आसवानी, अंजली पहलजानी, जिया रायचंदानी, कविता मंगवानी, विक्की छाबड़ा, चंद्रप्रकाश (मोमु) लालवानी, चंद्रशेखर जायसवार, लोकेश खरे, मुकेश शर्मा, मुकेश जोहरी आदि उपस्थित रहे!

सभी दुग्धम एवं सहकारी समितियों को पुर्नजीवित कराए-चंद्रा

नीमच, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सभी पुरानी दुग्ध समितियों एवं अक्रियाशील सहकारी समितियों को पुर्नजीवित करवाएं। नवीन दुग्ध समितियां गठित करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में एपीसी बैठक के एजेंडे के बिंदुओं एवं पिछली एपीसी बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, सहायक आयुक्त सहकारिता श्री राजू डाबर सहित कृषि, उद्यानिकी, मत्य् आय, पशुपालन, डेयरी विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के श्री आर.पी.नागदा को निर्देश दिए कि वे सहकारी समितियों का एनपीए 5 प्रतिशत से नीचे लाने का हर संभव प्रयास करें और जिले की 10 सहकारी समितियों को 0 प्रतिशत एनपीए वाली समिति बनाए। मत्यं औ विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले के ऐसे सभी जलाशय जिनमें मत्स्य पालन किया जा सकता है, उन सभी में मत्स्य पालन करवाएं। उन्होने जिला पंचायत से सूची प्राप्त कर अमृत सरोवरों में भी मत्स्य पालन करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग द्वारा जिले को प्रदत्त पशु उपचार वाहनों का अधिकतम उपयोग करने और अधिकाधिक पशुओं का इन वाहनों के माध्यम से उपचार करवाने के निर्देश भी उप संचालक पशुपालन को दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पशुपालन विभाग जिले में 100 पशुपालकों को ऋण उपलब्ध करवाकर, 100 गाय या भैस पालन के लिए नये पशु उपलब्ध करवाएं। साथ ही 10 हजार पशुपालकों को केसीसी कार्ड जारी करवाएं उन्होनें बकरी पालन के प्रकरण तैयार कर, हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन उपार्जन के लिए 9828 किसानों ने पंजीयन करवाया था, इनमें से 4496 किसानों से 9600 मैट्रीक टन सोयाबीन का उपार्जन किया जा चूका है।

जिले के 1 लाख 7 हजार 408 भू अधिकार अभिलेखों का होगा वितरण

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल चौहान द्वारा बताया गया कि, भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा स्वामित्व योजना का केंद्र स्तरीय कार्यक्रम 27 दिसंबर को किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम 27 दिसंबर शुक्रवार को कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में प्रात: 11:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री देश और मध्यप्रदेश सहित 12 राज्यों के 49,475 गांव में 58 लाख से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड का वितरण करेंगे। साथ-साथ जिले के 1 लाख 7 हजार 408 भू अधिकार अभिलेखों का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वितरण करेंगे।

थारो म्हारो प्रेम में मालवा की स्वर कोकिला गंधर्व का हुआ चयन

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर की लता मंगेशकर कही जाने वाली श्रीमती सुगन देवी गंधर्व लोक गायिका एवं शास्त्रीय गायन में ठुमरी और छोटा खयाल ,बड़ा खयाल मालवी गीतों की कोकिला का थारो मारो प्रेम मालवी बोली की पहली रोमांटिक फिल्म में चयन हुआ।

सुगनदेवी का बचपन रतलाम में बीता और वर्तमान में आप दशपुर में निवासरत हैं गंधर्व परिवार की बहू श्रीमती सुगंध देवी गंधर्व पर मां सरस्वती की अपार कृपा है आपने सुरीला कंठ पाया है। भगवान पशुपतिनाथ जी के मेले में, लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय में ,कालिदास समारोह में और कोरोना काल में जब से आपका एक गीत वायरल हुआ था और मुंबई के प्रसिद्ध सिंगर दलेर मेहंदी जी ने आपको गूगल के माध्यम से ढूंढा, आपको मुंबई बुलाया और आपके साथ एक गीत दमा दम मस्त कलंदर भी रिकॉर्ड किया था।

ऐसी सुप्रसिद्ध और मीठी बोली में गाने वाली सुगन देवी जी का हाल ही में थारो मारो प्रेम फिल्म में संजा के गीत जो गीत पूर्व सांसद स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण जी पांड्या की सुपुत्री और राजेंद्र जी पांड्या की बहन श्रीमती माया बदेका ने लिखा है, उस गीत पर आप स्वर देंगी। आप बचपन से ही मालवी में गाती और मालवी में गीत लिखती आई हैं। आप का चयन निज निवास पर फिल्म के निर्माता और निर्देशक राजेंद्र राठौड, कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, सूत्रधार पंकज पंवार, दिलीप कुमार जोशी, मनीष कनोदिया प्रोडक्शन टीम ने किया और आपकी गायकी को सराहा। इस अवसर पर राठौड ने कहा कि आप इस मालवा की धरोहर हैं , मालवा के प्रसिद्ध साहित्यकार रचनाकारों के साथ काम करने का हमें सौभाग्य मिल रहा है , यह रचनाएं युवाओं को मालवी बोली के प्रति आकर्षित करेगी और हमारी मालवी बोली जन-जन की बोली बनेगी ,इस फिल्म के माध्यम से देश दुनिया में मालवी बोली का प्रचार प्रसार होगा। राजेंद्र राठौड ने बताया कि जल्दी ही पूरे मालवा में इसके ऑडिशन किया जाएंगा, थारो म्हारो प्रेम फिल्म की शूटिंग मालवा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के साथ इंदौर उज्जैन भोपाल झाबुआ मंदसौर नीमच पर की जाएगी।

स्कूलों में वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वीर बाल दिवस के अवसर पर जिले के सभी स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित हुए। स्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा निबंध, गीत एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 मंदसौर में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला और अन्य स्थानिय जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिका एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन अर्चन और दीप प्रज्वलन से किया गया।

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों की अद्वितीय बहादुरी और बलिदान को याद किया गया। कम उम्र में ही वे अपने विश्वास और सिद्धांतों पर कैसे अडिग रहे और अपनी हिम्मत से आने वाली पीढियों को प्रेरित किया। उनका बलिदान वीरता और अपने मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का एक शानदार उदाहरण है, साथ ही माता गुजरी और श्री गुरु गोबिंद सिंह की बहादुरी को भी याद करते हुए प्रेरणामयी उद्बोधन एक प्रेरक गीत के साथ प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों मनीष, गौतम, और अर्पण सोनी ने बहुत ही सुंदर कलाकृति से फतेह सिंह और जोरावर सिंह के चित्र को बनाया जिसके लिए अतिथियों ने भी उनके प्रयास को सराहा और सम्मानित किया। गांव फतेहगढ में भी वीर बाल दिवस मनाया गया। अंत में आभार श्री विजय सिंह पुरावत और कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना द्वारा किया गया।

युवा संगम का आयोजन 3 को

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा बताया कि युवा संगम का आयोजन03 जनवरी 2025 को प्रात: 10:30 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे प्रेक्षागृह शासकीय महाविद्यालय, मंदसौर में आयोजित किया जायेगा। जन कल्याण अभियान के तहत जिले में ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर हो रहे शिविर आयोजित

महाविद्यालय दलौदा में वीर बाल दिवस मनाया

दलौदा, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार गुरुवार को बाल दिवस मनाया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष हेमंत धनोतिया ने की मुख्य वक्ता के रूप में मदन लाल राठौड, प्रदेश संयोजक सहकारिता विभाग तथा विकास सुराणा भाजपा मंडल अध्यक्ष विशेष अतिथि का स्वागत महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा किया गया है। मुख्य वक्ता मदन लाल राठौड ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान, भारतीय संस्कृति का अध्ययन अवश्य करें , तभी आपकी शिक्षा सार्थक होंगी और आप उच्च पदों पर जा सकते हैं। दलौदा भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा ने भी सभी छात्र छात्राओं को भारतीय ज्ञान परम्परा का अध्ययन करने का सुझाव दिया। कुछ छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्राचार्य शैलेन्द्र मालीवाड भी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सुमित सेन जिला महामंत्री भाजपा पिछड़ा मोर्चा एवं आभार डॉ. गजराज सिंह श्यामसुंदर पंडिया ने माना। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

श्रीराम कथा का आचार्य रामानुज जी ने किया पोस्टर विमोचन

मंदसौर के भक्तों ने राणापुर में आचार्य श्री का किया सम्मान

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मन्दसौर में अक्षय तृतीया 30 अप्रेल 2025 को 21 कन्याओ के नि:शुल्क विवाह संकल्प के साथ आगामी 4 से 12 जनवरी 25 तक आयोजित नो दिवसीय श्री रामकथा के विराट आयोजन का पोस्टर विमोचन आचार्य श्री रामानुजजी महाराज ने किया और आयोजन की सफलता के प्रति शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय की आचार्य श्री रामानुज जी वर्तमान में राणापुर में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत भक्तो को कथा अमृतपान करवा रहे हैं। कल मंदसौर से श्री हरिकथा आयोजन समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने राणापुर पहुंचकर आचार्य श्री का शाल ओढकर श्री फल भेंटकर सम्मान किया और मंदसौर में आचार्य श्री के सानिध्य में 4 जनवरी से आयोजित होने वाली कथा की तैयारीयो से अवगत कराते हुए कथा के पोस्टर का विमोचन महाराज श्री के कर कमलों से करवाया। इस अवसर पर श्री हरिकथा आयोजन समिति के प्रमुख सर्व श्री रमाशंकर शर्मा, रामप्रसाद सोनी, सुरेश पाठक, योगेंद्र सिंह सिसोदिया, मनोहर लाल सोनी दलोदा, गीतांजलि शर्मा, वीणा सोनी, निधि गोड, कुसुम मतराना, तनुजा कुशवाहा, राजकुमारी सिसोदिया एवं यशोदा पाठक ने महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री रामानुज जी ने राणापुर में मंदसौर से गए भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मंदसौर की धरा धन्य हो गई है, जहाँ पर रामकथा भी होगी और 21 कन्याओं के नि:शुल्क रूप से विवाह भी होंगे। आपने मन्दसौर की आयोजन समिति ओर सम्पूर्ण शहरवासियों को श्री राम कथा के आयोजन के साथ-साथ 21 कन्याओं का नि:शुल्क रूप से विवाह कराए जाने के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज के समय मे एक घर गृहस्थी बसाने में कितना व्यय ओर जतन किया जाता हैं तब जाकर एक विवाह संपन्न होता हैं, मन्दसौर वासियों ओर आयोजन समिति अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल को 21 कन्याओं का घर बसाने की प्रेरणा बालाजी भगवान ने दी और भगवान जिसको प्रेरणा देता है वह कार्य अपने आप पूरा हो जाता हैं। मंदसौर में जन जन के सहयोग से हो रही श्री राम कथा अपने आपमें धार्मिक क्षेत्र में 21 कन्याओं का नि:शुल्क विवाह कराने को लेकर एक मिसाल बनेगी।

कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट...

तमिलनाडु, पंजाब पुलिस जीत कर पहुंची सेमीफाइनल में

आज होंगे राजस्थान पुलिस और रतलाम तथा सीआरपीएफ, जालंधर और एनएफए, नीमच के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगर में चल रही 6 दिवसीय स्वर्गीय जितेंद्र सिंह मसराम और स्वर्गीय गौरव गिरवाल स्मृति कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट के तीसरे दिन 2 क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पिछली बार की उपविजेता तमिलनाडु पुलिस और बैंक ऑफ बड़ौदा, मुंबई के बीच खेला गया।

तमिलनाडु पुलिस ने शुरू से ही अपना दबाव बैंक ऑफ बड़ौदा की टीम पर बनाना शुरू कर दिया और एक के बाद एक गोल के मौके बनाए लेकिन बैंक ऑफ बड़ौदा के डिफेंस और गोलकीपर ने सारे प्रयास विफल कर दिए। जहां बैंक ऑफ बड़ौदा अपने खेल में तेजी लाते हुए तमिलनाडु पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही थी वहीं तमिलनाडु अपने सधे हुए खेल से बैंक ऑफ बड़ौदा के खिलाड़ियों को धीमा खेल खेलने पर मजबूर करने में लगी थी। पहले हॉफ में दोनों ही टीम गोल करने में नाकाम रही। दूसरा हॉफ भी पहले ही हॉफ की तरह कश्मकश भरा रहा। दूसरे हॉफ में पहले हॉफ से भी ज्यादा तेजी से खेल चला लेकिन अंत तक दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रही। मैच का निर्णय पेनल्टी शूट आउट से किया गया जिसमें तमिलनाडु के गोलकीपर ने आश्चर्यजनक गोलकीपिंग करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के खिलाड़ियों के लगभग सभी शॉट रोक लिए और तमिलनाडु की टीम को 3–1 से विजई बनाया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच तमिलनाडु के गोलकीपर राजीव रहे जिनको अतिथियों ने ट्रॉफी प्रदान की। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला पिछली बार की विजेता पंजाब पुलिस और नतीपोरा, जम्मू की फुटबॉल टीम के बीच खेला गया। आज के दिन का दूसरा मुकाबला सबसे जोरदार मुकाबला रहा, जिसमें दोनों ही टीमें ऐसे खेल रही थी मानो दोनों को ही एक दूसरे से कुछ पुराना हिसाब बराबर करना हो। दोनों टीम के ही खिलाड़ी मैच के दौरान एक दूसरे से नरम–गरम होते दिखाई दिए। पहले हाफ में दोनों ही टीमों के खिलाड़ी अपनी अपनी टीमों को बढ़त दिलाने में नाकामयाब रहे और मुकाबला बराबरी पर खत्म हुआ। दूसरे हाफ की शुरुआत भी पहले हाफ की ही तरह गर्मजोशी से हुई। दूसरे हाफ के शुरुआती कुछ क्षणों में पंजाब को मिले एक मौके को पंजाब के फॉरवर्ड ने जम्मू की मजबूत दीवार को भेदते हुए गोल मार कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। जम्मू के खिलाड़ी आखिरी समय तक पंजाब की बढ़त को बराबर करने का भरसक प्रयास करते नजर आए लेकिन अपनी टीम को बराबरी पर नहीं ला पाए। अंतत: पंजाब पुलिस ने 1–0 से मैच अपने नाम कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इस मैच के मैन ऑफ द मैच पंजाब पुलिस के खिलाड़ी करनजीत रहे। जिनको स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के फुटबॉल खिलाड़ी श्री गोरधन सिंह चौहान ने ट्रॉफी प्रदान करी।

तीसरे दिन से शुरू हुए क्वार्टर फाइनल में मुख्य अतिथि मंदसौर नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला, स्कूल शिक्षा विभाग के जिला खेल अधिकारी श्री बंशीलाल बारीवाल, मंदसौर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी श्री पुष्पेंद्र सिंह राठौर, मंदसौर हॉकी संघ के सचिव श्री अविनाश उपाध्याय, मंदसौर रोल बॉल स्केटिंग सचिव श्री राकेश श्रीवास्तव, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री पुष्पराज राणा, युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री महावीर जैन, नीमच के जिला फुटबॉल संघ सचिव श्री प्रमोद शर्मा, नीमच के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी श्री शंकर कप्तान, क्लब सचिव श्री ईश्वर सिंह चौहान, टूर्नामेंट संयोजक विपिन शर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, मुजम्मिल काजी, कमल कंडारे, अक्षय उपाध्याय, चरण सिंह, राहुल नागौरे, गोरधन सिंह चौहान, दीपक शर्मा, अंकित मंडोवरा, अंशुल शर्मा, अज्जू नागोरी, आदि सदस्य उपस्थित थे। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ. मेहुल अग्रवाल ने किया। क्वार्टर फाइनल के पहले दिन के मैचों की शुरुआत क्लब के दिवंगतों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पण करके हुई और उसके पश्चात अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। परिचय प्राप्ति के बाद राष्ट्रगान का आयोजन किया गया जिसमें सम्मान सहित सभी लोगों ने राष्ट्रगान का मान रखा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	58	5299	5600
उडद	61	5500	6671
सोयाबीन	3000	3750	4392
गैहु	1577	2800	3232
चना	61	5555	6421
मसुर	43	5401	5861
धनिया	76	4600	7000
लहसुन	11000	113000	25200
मैथी	331	4000	5900
मुंगफली	2742	4200	5320
अलसी	657	4800	6111
सरसो	302	5552	5701
तारामीरा	3	4455	4557
इसबगोल	44	10500	12601
प्याज	14000	801	1956
कलोंजी	5	13701	17599
तुलसी बीज	6	12701	16299
डॉलर	32	4401	10500
तिल्ली	22	9000	12270
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	4300	6180
असालीया	10	9000	14000
चियाबीज	14	11100	15700

उप आयुक्त सहकारिता कार्यालय में अनियमितता...

श्री गुन्द्रावत द्वारा पूर्व में दिए गए मेडिकल प्रमाण-पत्र के स्थान पर फाइल में पहुंचा मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्यालय में श्री गुन्द्रावत की अनाधिकृत अनुपस्थिति और बार-बार सिविल सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन के चलते उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश उप आयुक्त सहकारिता द्वारा संयुक्त आयुक्त सहकारिता उज्जैन को पत्र क्रमांक 342/स्थापना/23 दिनांक 29 मार्च 2023 को की गई थी।

नेमीचंद राठौर

स्वास्थ्य प्रमाण पत्र पर उठे सवाल–श्री गुन्द्रावत द्वारा कार्यालय में अनधिकृत अनुपस्थिति को लेकर कई बार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इसके जवाब में वे एक गैर सरकारी चिकित्सक, डॉ. मंसुरी (सुख सुविधा केयर सेंटर, संजीत रोड) के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते रहे। हाल ही में 20 मार्च 2023 को उनके परिजनों ने डॉ. मंसुरी रजिस्टर्ड नंबर 26122 फिजिशियन द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें 23 जनवरी 2023 से 15 मार्च 2023 तक उनकी अस्वस्थता का उल्लेख था। डॉ. मंसुरी के प्रमाण पत्र के अतिरिक्त, आरोग्यम डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा जारी एक रिपोर्ट भी संलग्न की गई, जिसमें अन्य चिकित्सक डॉ. जेड.ए. मंसुरी रजिस्ट्रेशन नंबर अ 065782 द्वारा उन्हें रेफर किया। इन दो प्रमाण पत्रों पर अलग-अलग हस्ताक्षरों और विरोधाभासी बयानों के कारण इनकी प्रामाणिकता पर संदेह जताया गया था। संयुक्त आयुक्त सहकारिता उज्जैन द्वारा दिनांक 5 जून 2023 को पत्र क्रमांक 968 के माध्यम से निर्देशित किया गया था कि संदर्भित पत्र के अनुसार संदेहास्पद होने पर संबंधित द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र की जांच मेडीकल बोर्ड से (चिकित्सा प्रमाण पत्र) कराते हुये सम्पुर्ण वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए कहा गया था। लेकिन उप आयुक्त सहकारिता विभाग मंदसौर में जादू का खेल के चलते हुवे फाइल से संदिग्ध प्रमाण पत्र के स्थान पर मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय मेडिकल सर्टिफिकेट जावक क्रमांक 2090 26 अप्रैल 2023 का फाइल में दर्ज हो गया। संदिग्ध मेडिकल सर्टिफिकेट जिसका उल्लेख उप आयुक्त में अपने पत्र क्रमांक 342 में वरिष्ठकार्यालय अवगत करते हुए लिखा था। वह गायब होजाना कई संदेह को खडा करता हैं।

कार्यालयीन कार्यों पर असर–श्री गुन्द्रावत की अनुपस्थिति के कारण उनके पास लंबित कार्यों का बोझ बढता गया है। उन्हें 2021-22 में 79 सहकारी संस्थाओं के अंकेक्षण का कार्य सौंपा गया था, लेकिन अब तक केवल 53 संस्थाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। इसके अलावा, सामान्य, विधि, वसूली, और अंकेक्षण शाखाओं जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का प्रभार उन्होंने लिंक अधिकारियों को भी नहीं सौंपा है। 31 मार्च 2023 तक अंकेक्षण शाखा में बढते कार्यभार के बावजूद, उनकी अनुपस्थिति ने कार्यालय की कार्यक्षमता पर गंभीर असर डाला है।

अनुशासनहीनता और लापरवाही–श्री गुन्द्रावत के इन कृत्यों से स्पष्ट है कि शासकीय सेवा और सौंपे गए दायित्वों के प्रति उनकी रुचि नहीं है। वे अपने कार्यों मैं अक्षम साबित हुए हैं।

कार्रवाई की सिफारिश–कार्यालय ने उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की सिफारिश की है। इससे न केवल अनुशासन स्थापित होगा, बल्कि भविष्य में अन्य कर्मचारियों को भी कर्तव्य पालन के प्रति प्रेरित किया जा सकेगा।

भाजपा ने सभी मण्डलों में मनाया वीर बाल दिवस

गुर्जर, चावला, अटोलिया, सिसौदिया, राठौर, धाकड़, दीक्षित, पाटीदार सहित अनेक नेताओं ने शहादत को किया नमन

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी नेतृत्व में भारत सरकार ने 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस पर राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार, भाजपा जिलाध्योक्ष नानालाल अटोलिया, कार्यक्रम जिला प्रभारी टोली राजु चावला, सुनिल पटेल, दलपतसिंह डांगी के नेतृत्व में मंदसौर जिले के सभी मण्डलों में आज 26 दिसंबर को दसवें सिख गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस मनाया गया ओर वीर शहिदों को श्रृद्धांजलि दी गई। राज्यससभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने मंदसौर विधानसभा के ग्राम साबाखेडा में मंदसौर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष नेपालसिंह सिसौदिया एवं मण्डल पदाधिकारियों की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। पूर्व मंत्री कैलाश चावला ने मल्हारगढ

विधानसभा के ग्राम गुर्जरबर्डिया मण्डल अध्यक्ष भेरुलाल सेन, मंदसौर जनपद अध्यक्ष बंसत शर्मा सहित मण्डल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने मंदसौर विधानसभा के दक्षिण मण्डल में उत्कृष्ट विद्यालय एवं मगरा माताजी मण्डल के ग्राम भालोट में मण्डल अध्यक्ष विनोद डगवार व गोपाल पाटीदार एवं मण्डल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। गरोठ विधायक श्री चंदरसिंह सिसौदिया ने गरोठ विधानसभा के गरोठ मण्डल में मण्डल अध्यक्ष गोकुलसिंह एवं मण्डल पदाधिकारियों की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर ने दलौदा मण्डाल के अध्यक्ष विकास सुराणा एवं मण्ड ल पदाधिकारी के साथ वीर बाल दिवस मनाया। इसी प्रकार पूर्व विधायक देवीलाल धाकड ने भानपुरा मण्डल के मण्डल अध्यक्ष आदित्य मंगरोलिया एवं मण्डल पदाधिकारियों की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार ने सीतामउ ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष धनसुख पाटीदार एवं मण्डल पदाधिकारीयों की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। भाजपा जिला महामंत्री राजेश दीक्षित ने मल्हारगढ मण्डल में मण्डल अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय एवं मण्डल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। भाजपा पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार ने धुंधडका मण्डल अध्यक्ष राजेश धाकड एवं मण्ड ल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वीर बाल दिवस मनाया। इस अवसर पर अतिथिगणों ने वीर बाल दिवस पर अपने-अपने विचार रखते हुए कहा की पिछले वर्ष, देश ने पहली बार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाया था। तब पूरे देश में सभी ने भाव-विभोर होकर साहिबज़ादों की वीर गाथाओं को सुना था। वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती। भाजपा हमेशा सिख धर्म और उनकी विरासत का सम्मा न किया है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्राय मोदी के नेतृत्वध में वीर बाल दिवस को राष्ट्रीनय बाल दिवस घोषित करना हमारी सांस्कृनतिक धरोहर को संजोने ओर अपनी आने वाली पीढियों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी प्रकार श्रीमती मनुप्रिया यादव ने भैसोदा मण्डल, न.पा.अध्यक्ष मंदसौर रमादेवी गुर्जर ने उत्तर मण्डल, राजेश सेठिया ने खडावदा मण्डल अजय तिवारी ने मेलखेडा मण्डल, विक्रमसिंह चौहान ने शामगढ मण्डल, सुनिल पटेल ने बसई मण्डल, जितेन्द्रसिंह चौहान ने सीतामउ मण्डल तथा हिम्मत डांगी ने कयामपुर मण्डल में वीर बाल दिवस मनाकर साहिबजादो की शहदत को नमन किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की 16 परियोजनाओं को मिली मंत्रि-परिषद की प्रशासकीय स्वीकृति...

परियोजना अंतर्गत कुल 19 परियोजनाओं का कार्य होगा

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति से शेष रही 16 परियोजनाओं के समूह को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इनकी लागत 28 हजार 798 करोड और सैंच्य क्षेत्र 04 लाख 72 हजार 970 हेक्टेयर होगा।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि स्वीकृत परियोजना से मध्यप्रदेश में मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 10 जिले गुना, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, सीहोर, इंदौर, देवास आगर मालवा, शाजापुर एवं राजगढ के 1865 ग्रामों के 4 लाख 73 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नवीन सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। साथ ही चंबल दाई मुख्य नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना सह पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए सचिव भारत सरकार एवं दोनों राज्यों के अपर मुख्य सचिव के बीच मध्यप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 28 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह परियोजना केंद्र द्वारा वित्त पोषित है, जिसकी लागत का वहन 90% केंद्र और 10% राज्यों द्वारा किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि प्रयोजन अंतर्गत मध्यप्रदेश की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कुल अनुमानित लागत 35 हजार करोड आकंलित की गई है। परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में कुल 21 परियोजना प्रस्तावित थी, जिनमें से पाडोन-एक एवं पाडोन-दो सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र को इकजाई कर पाडोन वृहत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना एवं पावा सिंचाई परियोजना तथा कटीला सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र को इकजाई कर कटीला पावा वृहत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, इस प्रकार 19 परियोजनाओं का कार्य सम्मिलित है। इनमें से 2 परियोजना उज्जैन जिले की चितावद वृहत सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 2066.93 करोड रूपये 5 अक्टूबर 2023 को और सेवरखेडी, सिलारखेडी सिंचाई परियोजना के लिये 614.53 करोड रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। मंदसौर जिले की मल्हारगढ (शिवना) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। शेष 16 परियोजनाओं को मंत्रि-परिषद द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

इन परियोजनाओं को मिली प्रशासकीय स्वीकृति–मध्यप्रदेश राज्य की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये कुल अनुमानित लागत 35000 करोड आकलित की गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में धनवाडी वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, नैनागढ बैराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सोनपुर वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, कटीला-पवा वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, श्यामपुर बैराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, पार्वती कॉम्प्लेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, जेठला (वैलेंसिंग रिजरवायर) वृहद सूक्ष्म उदवहन सिंचाई परियोजना, कुम्भराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, पाडोन वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना (पाडोन-1 एवं पाडोन-2 बैराज), रंजीत सागर काम्पलेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, कालीसिंध कॉम्पलेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, लखुंदर काम्पलेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, बछौडा देपालपुर वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सीकरी सुल्तानपुर मध्यम सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सोनचिरी मध्यम सूक्ष्म सिंचाई परियोजना एवं चम्बल नहर प्रणाली के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण शामिल है।

शिवना बेराज दाबयुक्त वृहद सिंचाई परियोजना में मंदसौर नगर को भी...

पेयजल के लिये शामिल किया जाये-नपाध्यक्ष

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर अध्यक्ष श्रीमति रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहनजी यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि शिवना बैराज दाबयुक्त सिंचाई परियोजना में मंदसौर नगर को भी पेयजल हेतु शामिल किया जाये। नपाध्यक्ष श्रीमति गुर्जर ने पत्र में मुख्यमंत्री महोदय को अवगत कराया है कि आपने मंदसौर जिले के लिये शिवना बैराज दाबयुक्त वृहद सिचाई परियोजना स्वीकृत कर मंदसौर जिले को सौगात दी है उसके लिये जिलेवासी आपके आभारी है।

पत्र मे श्रीमति गुर्जर ने अवगत कराया है कि इस योजना में मंदसौर नगर के निकट ही बेरोज एवं जलाशय निर्मित होगे। मंदसौर नगर पालिका पेयजल हेतु चम्बल से 55 किमी दूर से पानी ला रही है। इसके लिये नगर पालिका को चालिस लाख रूपये प्रतिमाह खर्च करने पढ रहे है जबकी नगर पालिका की आर्थिक स्थिति प्रतिमाह इतना खर्च वहन करने की नही है। यदि इस प्रस्तावित योजना में मदसौर नगर को आने वाले 100 वर्षों तक पेयजल उपलब्ध हो ऐसा प्रावधान कराकर मंदसौर नगर को पेयजल संकट से हमेशा के लिये मुक्त किया जा सकता है। इस सिंचाई परियोजना के लिये ग्राम ढिकोला में वृहद शिवना बेराज निर्मित कर पानी संग्रहित किया जायेगा। यह पानी मदसौर को भी प्रदान किया जा सकता है।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र में यह भी अवगत कराया कि आपकी दूरदर्शिता से मंदसौर गनर को भी पेयजल उपलब्ध कराने हेतु इस योजना में आगामी सौ वर्षो के लिये मंदसौर नगर के लिये पेयजल की आवश्यकता को ध्ण्यानप में रखते हुये योजना में प्रावधान कराने के लिये संबंधित विभाग को आप आवश्यक निर्देश देवे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने यह भी अवगत कराया कि मुख्यमंत्री महोदय आपने मंदसौर जिले के लिये शिवना बेरोज दाबयुक्त वृहद सिंचाई परियोजना स्वीकृत की है। जिससे मल्हारगढ विधानसभा के 32 ग्राम तथा मंदसौर विधानसभा के 115 ग्रामो को सिंचाई सुविधा मिलने जा रही है। इस योजना से लगभग 60 हजार हेक्टेयर भूमी सिंचित होगी एवं पेयजल के लिये भी गांवा को पानी उपलब्ध होगा तथा इन क्षेत्रो के किसान, ग्रामवासी खुशहाल होगें। इस योजना की स्वीकृति के लिये हम आपके आभारी है।

अधर्म अपने चरम पर था, तब धर्म की पुन: स्थापना हेतु

भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण रूप में अवतार लिया-पं. शर्मा

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य अवतार की अद्भुत कथा और जन्मोत्सव के साथ श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा कथा का चौथा दिवस अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। लाल घाटी रोड स्थित अमर शांति रिसोर्ट में आयोजित इस आयोजन में श्रद्धेय विष्णु जी शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की भावपूर्ण कथा का वाचन किया।

कथावाचक ने बताया कि जब अधर्म अपने चरम पर था, तब धर्म की पुन: स्थापना हेतु भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण रूप में अवतार लिया। कंस के आतंक से पीडित मथुरा नगरी में, देवकी और वसुदेव के कारागृह में भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया। जन्म के समय दिव्य घटनाएं घटित हुईं—संतरी निद्रालीन हो गए, और कारागृह के द्वार स्वत: खुल गए। वसुदेव जी ने भगवान श्रीकृष्ण को यमुना पार कर गोकुल में नंद-यशोदा के घर सुरक्षित पहुंचाया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा के साथ ही आयोजन स्थल पर जन्मोत्सव मनाया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन कर आनंद लिया। पूरा वातावरण नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। कथा के चौथे दिवस की व्यास पीठ पर पोथी पूजा का अवसर जजमान अंजना राधेश्याम शर्मा को प्राप्त हुआ। कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था, और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। श्रद्धेय विष्णु जी शर्मा ने श्रीकृष्ण के अवतरण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा, यह अवतार न केवल अधर्म का नाश करने के लिए था, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि को धर्म और प्रेम का मार्ग दिखाने के लिए भी था। गोकुल की उस ऐतिहासिक रात को पुन: जीवंत करते हुए, कथा के दौरान भक्तगण भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उनके उद्देश्यों से प्रेरित हुए।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गुरुवार शाम को तबीयत बिगड़ने के बाद गंभीर हालत में एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। गुरुवार शाम को अस्पताल में अंतिम सांस ली। प्रियंका गांधी और पार्टी लाइन से अलग अन्य नेता भी शाम को एम्स दिल्ली पहुंचे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। सिंह इस साल की शुरुआत में राज्यसभा से सेवानिवृत्त हुए थे। मनमोहन सिंह 1991-96 के दौरान पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार में देश के वित्त मंत्री के रूप में प्रमुखता से उभरे थे। उन्होंने अर्थ व्यवस्था को बदलने वाले व्यापक सुधार लाए थे। यूपीए के दो कार्यकाल के प्रधानमंत्री के रूप में, वह 2004 और 2014 तक शीर्ष पद पर रहे और इस साल की शुरुआत तक राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्य किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाक भिड़ंत 23 फरवरी को

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। अगले साल फरवरी महीना में होने वाले इस प्रतिक्षित आयोजन की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। हालांकि, टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से बीसीसीआई के इनकार के बाद भारत-पाकिस्तान के मैचों को न्यूट्रल लोकेशन पर कराने का फैसला लिया गया है। आईसीसी ने साफ कर दिया है कि 2028 तक भारत-पाकिस्तान के मैच हाइब्रिड मॉडल पर ही होंगे।

चैंपियन्स ट्रॉफी में 8 टीमें ले रहीं हैं हिस्सा–अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में 8 देशों की क्रिकेट टीमें शिरकत कर रही हैं। 8 टीमों के बीच कुल 15 मुकाबले होंगे। चार-चार टीमों का दो ग्रुप बनाया गया है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप का हिस्सा हैं। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं तो ग्रुप-बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड हैं।

कहां और कब किस टीम का किससे होगा मुकाबला–✻ 19 फरवरी- पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची ✻20 फरवरी- बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई ✻ 21 फरवरी - अफगानिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका, कराची ✻ 22 फरवरी - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर✻ 23 फरवरी - पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई ✻ 24 फरवरी - बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी✻ 25 फरवरी- ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका, रावलपिंडी✻ 26 फरवरी - अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर ✻ 27 फरवरी- पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी ✻ 28 फरवरी - अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर ✻ 1 मार्च- साउथ अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची✻ 2 मार्च- न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई

भारत-पाकिस्तान के रिश्ते खराब होने के बाद खेल संबंध भी बिगडे–दरअसल, भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले एक दशक से राजनयिक रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए हैं। दोनों देशों के बीच खराब हुए रिश्तों का प्रभाव क्रिकेट संबंधों पर भी पडे हैं। दोनों देशों के बीच आखिरी सीरीज 2012-13 में आयोजित की गई थी जब पाकिस्तान ने पांच मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था।

कलेक्टर ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया

मंदसौर, 26 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश से ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वीवीआईपी कक्ष, कंट्रोल यूनिट कक्ष, बैलट यूनिट कक्ष का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने सीसीटीवी कैमरे, लाइट की व्यवस्था एवं ताला लगाने की व्यवस्था देखने वाले कर्मचारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के समय कलेक्टर के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

✻ उठावना ✻

हमारे पूज्य पिताजी एवं मदनलाल, गोविन्दवल्लभ के बडे भाईसाहब, महेशचंद्र के काकाजी,

पंकज, संतोष के ताऊजी एवं विवेक के छोटे दादाजी एवं अंकित, वैभव के पूज्य दादाजी श्री रामगोपालजी सोमानी (रलायता वाले) का देवलोकगमन 25 दिसंबर 2024, बुधवार को हो गया हैं। जिनका उठावना 27 दिसंबर 2024, शुक्रवार को दोपहर 2 बजे, राजेंद्र परिणय रिसोर्ट, श्याम नगर, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड के पास, मन्दसौर पर रखा गया है।

शोक बैठक–प्रतिदिन सायंकाल 6 से 8 बजे तक निज निवास 8, नाकोड़ा नगर, राम टेकरी, मन्दसौर पर रखी गई हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

श्यामसुंदर, घनश्याम सोमानी (रलायता वाले)

तिरुपति टी सेंटर, मंदसौर

तिरुपति टी कंपनी, मंदसौर वैभव सोमानी एण्ड कंपनी (सीए)

मो. 9770878187, 6265479551

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.III-134 जो श्री सुनील पोरवाल पिता श्री कैलाश चन्द्र पोरवाल को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 10.02.2009 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया गया था। श्री सुनील पोरवाल पिता श्री कैलाश चन्द्र पोरवाल द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री पियूष बाफना पिता श्री शिखर चन्द्र बाफना को कर विक्रय पत्र दिनांक 25.01.2010 को भवन का विक्रय पत्र उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया था तथा श्री पियूष बाफना पिता श्री शिखर चन्द्र बाफना द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री रूपनारायण जोशी पिता श्री भेरुलाल जोशी को कर विक्रय पत्र दिनांक 27.03.2012 को इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवा दिया था। उक्त विक्रय पत्रों एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री रूपनारायण जोशी पिता श्री भेरुलाल जोशी अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री रूपनारायण जोशी पिता श्री भेरुलाल जोशी के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत) सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

✻✻✻ नाम परिवर्तन सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम मदनलाल प्रजापति तथा मेरे पिता का नाम शिवलाल दर्ज है जो कि गलत है। मेरे आधार कार्ड में मेरा व मेरे पिता का नाम मदनलाल प्रजापत पिता शवलाल प्रजापत दर्ज है जो कि सही है। अतः आज से मुझे मेरे सही नाम मदनलाल प्रजापत पिता शवलाल प्रजापत के नाम से जाना एवं पहचाना जाएं।

मदनलाल प्रजापत पिता शवलाल प्रजापत
मकान नं. एन-125, वार्ड क्रं. 09, ग्राम कोटड़ीमांडा,
तहसील सीतामऊ, जिला-मंदसौर

✻ नाम परिवर्तत सूचना ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम रफीक खां था अब से मुझे मेरे नए नाम रफीक मेव पिता बिन्दु खां ने नाम से जाना व पहचाना जाए जो सूचित हो।

रफीक मेव पिता बिन्दू खां
पता मकान नं. 214 वार्ड नं. 10 नीम चौक बोतलगंज मंदसौर

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 28 दिसम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 29 दिसम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा **किराया मात्र 8501/-**

स्लीपर बस द्वारा

✻✻✻✻✻✻ संपर्क करें ✻✻✻✻✻✻

महेश परमार 7470433491, 9575987517

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in